



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	16.10.2020	02	07-08

2-DAY KRISHI MELA CONCLUDES

Hisar: Speaking at the valedictory function of two-day Krishi Mela organised by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University here, Haryana Legislative Assembly Deputy Speaker Ranbir Singh Gangwa said to check the falling underground water level and the depleting soil fertility, the farmers should adopt drip irrigation and crop diversification. This will not only check water wastage but also provide financial benefits to farmers by making the environment safe. He called upon the farmers that instead of burning paddy straw, they should manage the straw properly by adopting methods suggested by agricultural scientists so that environmental pollution can be checked and the fertility of the soil should also be maintained. The Deputy Speaker asked farmers to adopt organic farming and crop diversification, as well as use the seeds of high yielding varieties of crops and vegetables.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.10.2020	02	06-08

कृषि विशेषज्ञ बोले- फसल की बिजाई और देखभाल करें तो ले सकते हैं बेहतर पैदावार एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन बुधवार रात वेबिनार आयोजित

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन बुधवार की रात वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने वेबिनार की अध्यक्षता की। इस दौरान वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई व देखभाल करे तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है। वैज्ञानिकों ने किसानों से आह्वान



एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक।

किया कि वे फसल की बिजाई करने से पहले अपने खेत की मिट्टी की जांच, पानी की उपलब्धता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की गई फसल के लिए बीज की किस्म, जरूरतानुसार बीजोपचार आदि का विशेष ध्यान रखें। कई बार किसान

एक-दूसरे की होड करते हुए फसल की बिजाई कर देते हैं तथा अंधाधुंध खाद व दवाइयों को फसल में डालते हैं, जिससे किसान को फसल से उचित उत्पादन नहीं मिल पाता और उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.10.2020	02	06

पराली प्रबंधन पर वेबिनार में वैज्ञानिकों ने रखे विचार, किसानों से हुए रूबरू

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा पराली प्रबंधन को लेकर वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में सत्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने बताया कि धान की सीधी बिजाई बहुत ही कारगर साबित हो रही है और प्रदेश सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत को भी सार्थक सिद्ध कर रही है। इससे न केवल पानी की बचत होती है बल्कि खर्च भी कहूँ करके की जाने वाली बिजाई से कम होता है। इससे फसल के उत्पादन या तो परम्परागत विधि के बराबर है या फिर अधिक होता है। वेबिनार के दौरान धान की सीधी बिजाई को लेकर किसानों ने अपने अनुभव भी वैज्ञानिकों के साथ साझा किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	16.10.2020	02	06

किसानों को पैदावार बढ़ाने के तरीके बताए

जागरण संगाददाता, हिसार : एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले में रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए आयोजित वेबिनार में विज्ञानियों ने रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तरीके बताए। आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. एके छाबड़ा ने वेबिनार की अध्यक्षता की।

विज्ञानियों ने कहा कि अगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई व देखभाल करे तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है। किसान बिजाई से पहले खेत की मिट्टी की जांच, पानी की उपलब्धता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की गई फसल के लिए बीज की किस्म, जरूरतानुसार बीजोपचार आदि का ध्यान रखें। अंधाधुंध खाद व दवाइयाँ फसल में डालने से भी पैदावार घटती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.10.2020	02	03-04

किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए टिप्प

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किसानों को रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई व देखभाल करें तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है। वैज्ञानिकों ने किसानों से आहान किया कि वे फसल की बिजाई करने से पहले अपने खेत की मिट्टी की जांच, पानी की

उपलब्धता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की गई फसल के लिए बीज की किस्म, जरूरतानुसार बीजोपचार आदि का विशेष ध्यान रखें।

कई बार किसान एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल की बिजाई कर देते हैं तथा अंधाधुंध खाद व दवाइयों को फसल में डालते हैं, जिससे किसान को फसल से उचित उत्पादन नहीं मिल पाता और उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.10.2020	02	06

दुधारू पशुओं में थनेला रोग से बचाव के दिए टिप्पणी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित वीबिनार में पशुपालकों को दुधारू पशुओं में होने वाले थनेला रोग के कारणों, उपचार व निदान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला के इंचार्ज डॉ. नरेश कवकड़ ने कहा कि पशुपालक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक काबी पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगूठे की सहायता से दूध निकालते हैं जो कि गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुट्ठी से निकालने की आदत डालनी चाहिए। इसके अलावा दूध दोहने के बाद पशु के थनों को जीवाणु रोधक से साफ करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	16.10.2020	--	--

कृषि मेला

रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए सुझाव

किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए टिप्पणी

सच कहूं/संदीप सिंहमार
हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने को लेकर आयोजित वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तैर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. अब्दुल ने वेबिनार की अध्यक्षता की। इस दौरान वैज्ञानिकों ने कहा कि आगे किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की विजाई व देखभाल करे तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है। वैज्ञानिकों ने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल की विजाई करने से पहले अपने खेत की मिट्टी की जांच, पानी की उत्तमता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की



“वर्चुअल कृषि मेले के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक एवं किसानों से सवाल-जवाब करते वैज्ञानिक।”

गई फसल के लिए बीज की किस्म, जरूरतानुसार बीजपाचार आदि का विशेष ध्यान रखें। कई बार किसान एक-दूसरे की होड करते हुए फसल की विजाई कर देते हैं तथा अंधाधूध खाद व दवाइयों को फसल में डालते हैं, जिससे किसान को फसल से उत्पादन नहीं मिल पाता और उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

सिफारिश अनुसार विजाई से मिला डेह गुण अधिक उत्पादन अधिक भिला है। इसके लिए उसे वेबिनार के दौरान उत्तर प्रदेश से किसान आशीष रथ ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश अनुसार जने की एच.सी.-5 किस्म की विजाई की थी। इससे वैज्ञानिकों को रेतीली जमीन में नरम कपास की विजाई कर रहा है और उसे औसतन 23 से 25 किटल प्रति हेक्टेएक्टर की

तुलना में उसे डेह गुण उत्पादन अधिक भिला है। इसके लिए उसे उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सम्मानित भी किया गया। इसी प्रकार किसान आशीष रथ ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि उन्हें गांव दरियापुर (भिवानी) के किसान रामनिवास ने बताया कि वह पिछले यांच-छह सालों से टपका विधि से रेतीली जमीन में नरम कपास की विजाई कर रहा है और उसे औसतन 30 से 35

वेबिनार के दौरान डॉ. विक्रम ने गहू व जी. डॉ. रामअवतार ने तिलहनी फसलों, डॉ. डी.एस. फोगट ने चार बाली फसलों, डॉ. ओमेंद्र संगवान ने कपास, डॉ. अंजीत राठी ने पींव रोग नियंत्रण, डॉ. डी.एस. मोर ने बीज उत्पादन में सवधानिया, डॉ. एम.सी. कंबोज ने मक्का की काश्त, डॉ. एम.एल. कुमार ने ओर्केट्रिय व सुगांधित फसलों की खेती व डॉ. एम.एल. रिच्चड ने भौमम पूर्वामान का फसलों में महत्व सहित कई वैज्ञानिकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

मण तक मिल रहा है। इससे पानी व खाद की भी बचत होती है। उन्होंने बताया कि इस बार रेतीले थोंगों में नरम कपास को फसल में आई समस्या का प्रभाव उसकी फसल में कम देखने को मिला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	16.10.2020	--	--

बौद्धिकी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेले का आयोजन

किसानों को फसलों, पशुओं और रोगों पर वैज्ञानिकों ने दी उपयोगी जानकारी

चंडीगढ़, 15 अक्टूबर (संवेदा यात्रा) : हिमार स्वित निधये चरण मिल हरियाणा कुपि विश्वविद्यालय के बहुआन स्कूल मेल के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में विभिन्न विविध अधिकारियों निति विषय पर। इस दैर्घ्यन महान विविध थान की सीधी विजाइ, दूसरा विविध अद्याध पश्चिम में धनेन्द्र गेंग व त्रिपुरा एकाधाम तथा तीसरे विविध अधिकारियों द्वारा एकाधाम विविध अद्याध विषयों पर वैज्ञानिक द्वारा जनकारी दी गई।

विश्वविद्यालय के प्रबोधना ने बताया कि इस विविधार में सभी छिड़ान विधार के अध्ययन और एस-एस-पूर्णिया ने यान की सीधी विजाई के बारे में बताया कि वह विष्व व्याप्त ही अंतरराष्ट्रीय समिति हो गयी है। प्रद्युम्न सुखवर की बोलना 'मेरा पानी मेरी विद्यारत' को भी सार्वक शिक्षा कर देती है। इससे न केवल पानी की बचत होती है बल्कि खुद भी कानून करने की बांध बांधी विवरण से कम होती है। इससे फलत यह उत्पादन वा तो परम्परागत विधि के बचाव है वा कि इससे अधिक होता है। चेतावनाके दौरान यान की सीधी विजाई को लेकर विस्तारों ने अपने अनुस्वार पीड़ितोंको के साथ साझा किया। इस दौरान असंघ से कुछ विकास अधिकारी ज्ञान सिंह ने बताया कि यान की विजाई को लेकर विश्वविद्यालय की

- ३ वैविनार करवाए गए, किसानों ने भी अपने विचार साझा किए

सिफारिश हर साल 25 जून तक के लिए की जाती है। इसे मई के अंतिम वपाहा से जून के प्रथम सवाल तक लिया जाने के बारे में और अधिक तोहफे करने की ज़रूरत है। अल्पकाल इस समय यानी व बजटों की समस्या नहीं होती।

प्रबलत ने वपाहा कि दूसरे वेसिनार में दृश्य क्षुर्जे में बड़ी रोग व उसकी रोकथाम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाला लालायतराय पश्चि चिकित्सा एवं विज्ञान विज्ञानियाओं ने केंद्रीय प्रयोगशाला के इंचार्ज डॉ. नरेन काकड़ ने कहा कि प्रयोगशालक स्वयंस्थान का विशेष ध्यान रखकर वह अपने दृश्य लोहों के लिए नेट के बाहरी ओर व्यापार कर इस रोग पर काफी ठीक जानकारी नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रयोगशालक अंगूठे को महात्मा ये दृश्य निकालते हैं जो विसर्ग लतत रहीका है, दृश्य को केवल बड़े मुखी विनियोगों को अद्यत डालनी चाहिए। इसके अलावा दृश्य लोहों के बाद पश्चि के बारे की जांच भी जारी किया रोक्ष के साथ करना चाहिए। पश्चि के बारे में जांच पर भी स्पष्टता कर पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

डॉ. योद्धा छाकड़ा ने बताया कि किसान जिन विचित्र जांच के ही अवसर के लिए पशु को एक्टिविप्रैक्टिक वा अंतर्राष्ट्रीय प्रयोग करने लग जाते हैं जिससे पशु की जीवनशैली रोकने की समस्या कम हो जाती है, जैसा कहा गया है। इसके अलावा इशेगांगाला में जंबू के बाद ही विचित्र उच्चार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पशुपालक अपने दूर पर भी कैटिलिना या मेस्ट्रिडिट्स किट के माध्यम से भर पर ही खेलता रहे जीव जंबू कर सकते हैं। वैचिनार में पशुपालकों ने बैडिनिकों से बदला रोट के सफारी व उसके समाप्तान की सेवक प्रश्न भी किए। जीवधी चरण में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्तुल-अलू कुप्री बैलों के तंत्रों वैचिनार में बैडिनिकों ने किसानों को रोटी कमलों की पैदावार बढ़ाने के लिए तंत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वैचिनार के दौरान उत्तर प्रदेश से किसान अशोक राय ने बजारों पर उन्होंने विश्वविद्यालय की द्वारा स्टॉकिंग अनुशासन चमे की एच.एस. - 5 की समस्या की जिजाई भी थी। इससे बैडिनिकों द्वारा बताया गया और सूख उत्पन्न 23 से 25 विश्वविद्यालय प्रति हेक्टेकर की तहत उनमें उमे डेढ़ लूपा उत्पन्न अधिक मिला है। इसके लिए उसे उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सम्मानित भी किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	15.10.2020	--	--

धान की सीधी बिजाई है कारगरः डॉ. पूनिया

पल पल न्यूजः हिसार, 15 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में विभिन्न वेबिनार आयोजित किए गए। इस दौरान पहला वेबिनार धान की सीधी बिजाई विषय को लेकर किया गया। इस वेबिनार में सत्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने बताया कि यह विधि बहुत ही कारगर साबित हो रही है और प्रदेश सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत को भी सार्थक सिद्ध कर रही है। इससे न केवल पानी की बचत होती है बल्कि खर्च भी कटू करके की जाने वाली बिजाई से कम होता है। इससे फसल के उत्पादन या तो परम्परागत विधि के बराबर है या फिर अधिक होता है। इस वेबिनार के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान(अटारी के निदेशक डॉ. राजवीर सिंह, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के सत्य विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ. एम.एस. भुल्लर, सहायक वैज्ञानिक डॉ. जसवीर गिल, एचएयू से इंजीनियर अनिल सरोहा, डॉ. नवीश, डॉ. संदीप रावल के अलावा भठिण्डा से किसान गुरप्रीत सिंह, लुधियाना से अमृत इंद्र सिंह, यमुनानगर से जसबीर सिंह और मंगत राम सहित अन्य किसानों ने जुड़े वैज्ञानिकों से सवाल-जवाब किए। वेबिनार के दौरान धान की सीधी बिजाई को लेकर किसानों ने अपने अनुभव भी वैज्ञानिकों के साथ साझा किए। इस दौरान असंध से कृषि विकास अधिकारी श्याम सिंह ने बताया कि धान की बिजाई को लेकर विश्वविद्यालय की सिफारिश हर साल 25 जून तक के लिए की गई है जबकि इसे मई के अंतिम सप्ताह से जून के प्रथम सप्ताह तक किए जाने के बारे में और अधिक शोध करने की जरूरत है। क्योंकि इस समय पानी व मजदूरों की समस्या नहीं होती।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	15.10.2020	--	--

किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए टिप्प

पल पल न्यूज़: हिसार, 15 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्तुअल कृषि मेले के दूसरे दिन रखी फसलों की पैदावार बढ़ाने को लेकर आयोजित वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को रखी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। आनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ.

ए.के. छाबड़ा ने वेबिनार की अध्यक्षता की। इस दौरान वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई व देखभाल करे तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है।

वैज्ञानिकों ने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल की बिजाई करने से पहले अपने खेत की मिट्टी की जांच, पानी की उपलब्धता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की गई फसल के लिए बीज की किस्म, जरूरतानुसार बीजोपचार आदि का विशेष ध्यान रखें। कई बार किसान एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल

अगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई व देखभाल करे तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है: वैज्ञानिक



की बिजाई कर देते हैं तथा अंधाधुंध खाद व दवाइयों को फसल में डालते हैं, जिससे किसान को फसल से उचित उत्पादन नहीं मिल पाता और उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

वेबिनार के दौरान उत्तर प्रदेश से किसान आशीष राय ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश अनुसार चने की एच.सी.-5 किस्म की बिजाई की थी। इससे वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए औसत उत्पादन 23 से 25 किंटल प्रति हेक्टेएर की तुलना में उसे डेढ़

गुणा उत्पादन अधिक मिला है। इसके लिए उसे उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सम्मानित भी किया गया। इसी प्रकार गांव दरियापुर(भिवानी)के किसान रामनिवास ने बताया कि वह पिछले पांच-छह सालों से टपका विधि से रेतीली जमीन में नरमा कपास की बिजाई कर रहा है और उसे औसतन उत्पादन भी प्रति एकड़ 30 से 35 मण तक मिल रहा है। इससे पानी व खाद की भी बचत होती है। उन्होंने बताया कि इस बार रेतीले क्षेत्रों में नरमा कपास की फसल में आई समस्या का प्रभाव उसकी

फसल में कम देखने को मिला। वेबिनार के दौरान डॉ. विक्रम ने गेहूं व जौ, डॉ. रामअवतार ने तिलहनी फसलों, डॉ. डी.एस. फोगाट ने चारे वाली फसलों, डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने कपास, डॉ. अजीत राठी ने पौध रोग नियन्त्रण, डॉ. वी.एस. मोर ने बीज उत्पादन में सावधानियां, डॉ. एम.सी. कंबोज ने मक्का की काशत, डॉ. पवन कुमार ने औषधीय व सुगंधित फसलों की खेती व डॉ. एम.एल. खिच्चड़ ने मौसम पूर्वामान का फसलों में महत्व सहित कई वैज्ञानिकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	15.10.2020	--	--



स्वच्छता व दूध दोहने के तरीके का खास ध्यान रखें पशुपालक

पल पल न्यूज़: हिसार, 15 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के कार्यक्रम के दूसरे वेबिनार का विषय दूधारू पशुओं में थनैला रोग व उसकी रोकथाम रखा गया जिसमें पशुपालकों को दूधारू पशुओं में होने वाले थनैला रोग के कारणों, उपचार व निदान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाल लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला के इंचार्ज डॉ. नरेश ककड़ ने कहा कि पशुपालक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगुठे की सहायता से दूध निकालते हैं जो कि गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुझ से निकालने की आदत डालनी चाहिए। इसके अलावा दूध दोहने के बाद पशु के थनों को जीवाणु रोधक से साफ करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ. राजेश छाबड़ा ने बताया कि किसान बिना उचित जांच के ही उपचार के लिए पशु को एंटीबायोटिक का अंधाधुंध प्रयोग करने लग जाते हैं जिससे पशु की जीवाणु रोधक क्षमता कम हो जाती है, जो घातक है। इसके अलावा प्रयोगशाला में जांच के बाद ही उचित उपचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन अपने स्तर पर भी कैलिफोर्निया मेसटाइटिस किट के माध्यम से घर पर ही थनैला रोग की जांच कर सकते हैं। वेबिनार में पशुपालकों ने वैज्ञानिकों से थनैला रोग के लक्षणों व उसके समाधान को लेकर प्रश्नोत्तर भी किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	15.10.2020	--	--

धान की सीधी बिजाई है कारगर : डॉ. एस.एस. पूनिया



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में विभिन्न वेबिनार आयोजित किए गए। इस दौरान पहला वेबिनार धान की सीधी बिजाई विषय को लेकर किया गया। इस वेबिनार में सत्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने बताया कि यह विधि बहुत ही कारगर साबित हो रही है और प्रदेश

सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत को भी सार्थक सिद्ध कर रही है। इससे न केवल पानी की बचत होती है बल्कि खर्च भी कददू करके की जाने वाली बिजाई से कम होता है। इससे फसल के उत्पादन या तो परम्परागत विधि के बराबर है या फिर अधिक होता है। वेबिनार के दौरान धान की सीधी बिजाई को लेकर किसानों ने अपने अनुभव भी वैज्ञानिकों के साथ साझा किए। इस दौरान असंधं से कृषि विकास अधिकारी श्याम सिंह ने बताया कि धान की बिजाई को लेकर विश्वविद्यालय की सिफारिश हर साल 25 जून तक के लिए की गई है जबकि इसे मई के अंतिम सप्ताह से जून के प्रथम सप्ताह तक किए जाने के बारे में और अधिक शोध करने की जरूरत है। क्योंकि इस समय पानी व मजदूरों की समस्या नहीं होती। इसी प्रकार एक किसान ने खरपतवार की समस्या को लेकर भी जानकारी हासिल की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	15.10.2020	--	--

दूधारु पशुओं में थनैला रोग से बचाव के दिए टिप्स

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 15 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के कार्यक्रम के दूसरे वेबिनार का विषय दूधारु पशुओं में थनैला रोग व उसकी रोकथाम रखा गया जिसमें पशुपालकों को दूधारु पशुओं में होने वाले थनैला रोग के कारणों, उपचार व निदान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला के इंचार्ज डॉ. नरेश ककड़ ने कहा कि पशुपालक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगूठे की सहायता से दूध निकालते हैं जो कि गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुट्ठी से निकालने की आदत



डालनी चाहिए। इसके अलावा दूध दोहने के बाद पशु के थनों को जीवाणु रोधक से साफ करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ. राजेश छाबड़ा ने बताया कि किसान बिना उचित जांच के ही उपचार के लिए पशु को एंटीबायटिक का अंधाधूंध प्रयोग करने लग जाते हैं जिससे पशु की जीवाणु रोधक क्षमता कम हो जाती है, जो घातक है। इसके अलावा प्रयोगशाला में जांच के बाद ही उचित उपचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन अपने स्तर पर भी कैलिफोर्निया मेस्टाइटिस किट के माध्यम से घर पर ही थनैला रोग की जांच कर सकते हैं। वेबिनार में पशुपालकों ने वैज्ञानिकों से थनैला रोग के लक्षणों व उसके समाधान को लेकर प्रश्नोत्तर भी किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	15.10.2020	--	--

रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए सुझाव

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने को लेकर आयोजित वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने वेबिनार की अध्यक्षता की। इस दौरान वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई व देखभाल करे तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है। वैज्ञानिकों ने



किसानों से आह्वान किया कि वे फसल की बिजाई करने से पहले अपने खेत की मिट्टी की जांच, पानी की उपलब्धता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की गई फसल के लिए बीज की किस्म, जरूरतानुसार बीजोपचार आदि का विशेष ध्यान

रखे। कई बार किसान एक-दूसरे की होड करते हुए फसल की बिजाई कर देते हैं तथा अंधाधुंध खाद व दवाइयों को फसल में डालते हैं, जिससे किसान को फसल से उचित उत्पादन नहीं मिल पाता और उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	15.10.2020	--	--

पशुपालकों को दी पशुओं में रोग के निदान की जानकारी



हिसार/15 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन वैबिनार में दूधारू पशुओं में थनैला रोग व उसकी रोकथाम पर पशुपालकों से चर्चा की गई। इस दौरान लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला के इंचार्ज डॉ. नरेश ककड़ ने कहा कि पशुपालक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगुठे की सहायता से दूध निकालते हैं जो कि गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुट्ठी से निकालने की आदत डालनी चाहिए। इसके अलावा दूध दोहने के बाद पशु के थनों को जीवाणु रोधक से साफ करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ. राजेश छाबड़ा ने बताया कि किसान बिना उचित जांच के ही उपचार के लिए पशु को एंटीबायटिक का अंधाधूंध प्रयोग करने लग जाते हैं जिससे पशु की जीवाणु रोधक क्षमता कम हो जाती है, जो घातक है। इसके अलावा प्रयोगशाला में जांच के बाद ही उचित उपचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पशुपालक अपने स्तर पर भी कैलिफोर्निया मेस्टाइटिस किट के माध्यम से घर पर ही थनैला रोग की जांच कर सकते हैं। वैबिनार में पशुपालकों ने वैज्ञानिकों से थनैला रोग के लक्षणों व उसके समाधान को लेकर प्रश्नोत्तर भी किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	15.10.2020	--	--

कृषि मेले में वैबिनार के माध्यम से दी किसानों को जानकारियां

हिसार/15 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्तुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में विभिन्न वैबिनार आयोजित किए गए। इस दौरान पहला वैबिनार धान की सीधी बिजाई विधय को लेकर किया गया। इस वैबिनार में सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसएस पूनिया ने बताया कि यह विधि बहुत ही कारगर साधित हो रही है और प्रदेश सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विवासत को भी सार्थक सिद्ध कर रही है। इससे न केवल पानी की बचत होती है बल्कि खर्च भी कटदू करके की जाने वाली बिजाई से कम होता है। इससे फसल के उत्पादन या तो परम्परागत विधि के बराबर है या फिर अधिक होता है। इस वैबिनार के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी के निदेशक डॉ. राजवीर सिंह, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.



एमएस भुल्लर, सहायक वैज्ञानिक डॉ. जसवीर गिल, एचएयू से इंजीनियर अनिल सरोहा, डॉ. नवीश, डॉ. संदीप रावल के अलावा भटिण्डा से किसान गुरप्रीत सिंह, लुधियाना से अमृत इंद्र सिंह, यमुनानगर से जसवीर सिंह और मंगत राम सहित अन्य किसानों ने जुड़कर वैज्ञानिकों से सवाल-जवाब किए। वैबिनार के दौरान धान की सीधी बिजाई को लेकर किसानों ने अपने अनुभव भी वैज्ञानिकों के साथ साझा किए। वर्तुअल कृषि मेले में रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने को लेकर आयोजित वैबिनार

में वैज्ञानिकों ने किसानों को रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में जानकारी दी। अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा ने वैबिनार की अध्यक्षता की। इस दौरान वैज्ञानिकों ने कहा कि आगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई व देखभाल करे तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है। वैज्ञानिकों ने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल की बिजाई करने से पहले अपने खेत की मिट्टी की जांच, पानी की

उपलब्धता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की गई फसल के लिए बीज की किम्म, जरूरतानुसार बीजोपचार आदि का विशेष ध्यान रखें। कई बार किसान एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल की बिजाई कर देते हैं तथा अंधाखुंब खाद व दवाइयों को फसल में डालते हैं, जिससे किसान को फसल से उचित उत्पादन नहीं मिल पाता और उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। वैबिनार के दौरान डॉ. विक्रम ने गेहूं, ब जौ, डॉ. रामअवतार ने तिलहनी फसलों, डॉ. डीएस फोगाट ने चारे वाली फसलों, डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने कपास, डॉ. अजीत राठी ने पौध रोग नियंत्रण, डॉ. बी.एस. मोर ने बीज उत्पादन में सावधानियां, डॉ. एमसी कंबोज ने मक्का की काशत, डॉ. पवन कुमार ने औषधीय व सुगंधित फसलों की खेती व डॉ. एम.एल. खिचड़ ने मौसम पूर्वामान का फसलों में महत्व सहित कई वैज्ञानिकों ने विचार रखे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर धोष	15.10.2020	--	--

दूधारू पशुओं ने थनैला रोग से बचाव के दिए टिप्प

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बच्चुआल कृषि मेले के दूसरे दिन के कार्यक्रम के दूसरे बेबिनार का विषय दूधारू पशुओं में थनैला रोग व उसकी रोकथाम रखा गया जिसमें पशुपालकों को दूधारू पशुओं में होने वाले थनैला रोग के कारणों, उपचार व निदान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाला लाजपतराव पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला के इन्चार्ज डॉ. नरेश ककड़ ने कहा कि पशुपालक

स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगूठे की सहायता से दूध निकालते हैं जो कि गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुँह से निकालने की आदत डालनी चाहिए। इसके अलावा दूध दोहने के बाद पशु के थनों को जीवाणुरोधक से साफ करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.10.2020	--	--

जानकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दुधारू पशुओं में थनैला रोग से बचाव के दिए टिप्प

स्वच्छता व दूध दोहने के तरीके का खास ध्यान रखें पशुपालक

प्रधान . प्रबन्ध अधिकारी प्रभावी प्रबन्धन

मुख्य अधिकारी : श्री रणधीर गंगवा, मानवीय डिल्टी स्पीकर, हरियाणा विधानसभा

विशिष्ट अधिकारी : डॉ. डॉ.

आयोजक : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)



हिसार। वर्तुअल कृषि मेले के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक एवं किसानों से सवाल-जवाब करते वैज्ञानिक।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्तुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के कार्यक्रम के दूसरे वेबिनार का विषय दुधारू पशुओं में थनैला रोग व उसकी रोकथाम रखा गया जिसमें पशुपालकों को दुधारू पशुओं में होने वाले थनैला रोग के कारण, उपचार व नियन्त्रण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय

पशुपालक अपने स्तर पर भी कर सकते हैं रोग की जांच

डॉ. संजेता छाबड़ा ने बताया कि किसान विना उपर्याप्त जाप के ही उपचार के लिए पशु को एटीबीटीक का अंगूष्ठ प्रयोग करने लगा जाते हैं जिससे पशु की जीवाणु रोधक क्षमता कम हो जाती है, जो खातक है। इसके अलाला प्रयोगशाला में जाप के बाद ही उपर्याप्त किया जाना चाहिए।

को केंद्रीय प्रयोगशाला के इच्छाजं डॉ. नरेश कवकड़े ने कहा कि पशुपालक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक कानू-

पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगूठे की सहायता से दूध धोने को जीवाणु रोधक से साफ निकालते हैं जो कि गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुट्ठी से निकालने पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा की आदत डालनी चाहिए। इसके

अलाला दूध दोहने के बाद पशु के

थाँड़ों को जीवाणु रोधक से साफ

करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह

पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा

जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.10.2020	--	--

हिसार/अन्य

पांच बजे 3

किसानों को रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए टिप्प

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्ष्युतर कृषि मेले के दूसरे दिन रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए आयोजित बैठकानार में वैज्ञानिकों ने किसानों की रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर पर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुच्छानिकों एवं पौष्ट्र प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एके. छावड़ा ने बैठकानर की अध्यक्षता की।

इस दौरान वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर किसान विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की विजाइ व देखाताल करें तो वह अच्छी पैदावार ले सकता है। वैज्ञानिकों ने किसानों से आवाहन किया कि वे वे फसल की विजाइ करने से पहले अपने खेत की मिट्टी की जांच, पानी की उपलब्धता, अपने क्षेत्र अनुसार सिफारिश की गई फसल के लिए बीज की किसी, जल-तानुसार बीजपाल और आप का विशेष ध्यान रखें। कई बार किसान एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल की विजाइ कर देते हैं तथा अनुच्छान खाद व देखातालों को फसल में डालते हैं, जिससे किसान को फसल से उचित उत्पादन नहीं मिल पाता और उसे



आधिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

सिफारिश अनुसार विजाइ से मिला डेढ़ गुणा अधिक उत्पादन

बैठकानर के दौरान उत्तर प्रदेश से किसान

द्वारा बताए गए और असें उत्पादन 23 से 25 देढ़ गुणा अधिक उत्पादन

उत्तर प्रदेश सरकार की

सम्मानित भी किया गया।

इसी प्रकार गोवा

दरियापुर(भिवानी)के किसान रामनिवास

ने बताया कि वह पिछले पांच-छह सालों

से उत्पादन विधि से रेतीली जमीन में नरम कपास की विजाइ कर रहा है और उसे औसतन उत्पादन भी प्रति एकड़ 30 से 35 मण्ड तक बिल रहा है। इससे पानी व खाद की भी बचत होती है। उन्होंने बताया कि इस बार रेतीले क्षेत्र में नरम कपास की फसल में आई समस्या का प्रभाव ने असाधीय व सुनिश्चित फसलों की खेती व डॉ. एम.एल. विज्वड़ ने मौसम पूर्णांग का फसलों में महत्व सहित कई वैज्ञानिकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

बारानी द्वेरा ने रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए बाटाई सत्य कियाएं।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सरस्य विज्ञान विभाग के बारानी खेती अनुभाव के वैज्ञानिकों ने गांव बालवास के किसानों के साथ एक कृषि संबंधी गोली आयोजित की। विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय जलवाय य सम्बन्ध कृषि में नवायन विज्ञान के लक्ष्य किया गया।

उन्होंने बताया कि इस दौरान किसानों को राशा व वर्ष की पैदावार बढ़ाने के लिए उत्तर सरस्य कियाए गए समान पर विजाइ, बीज उत्पाद, समुदाय जाद व्रेवेन, खेत में उचित पौधों की संख्या, पौधे वाले कराते से निराई-गुडाई, ऊंचे पौधे सरबजा, आप की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही किसानों को बढ़ाते योग्य के अनुसूची सभी सस्य कियाइ जानकारी दी। इस दौरान लगभग 35 किसान शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	15.10.2020	--	--

धान की सीधी बिजाई कारगर : डॉ. पूनिया

एचएयू के वर्चुअल कृषि
मेले में दूसरे दिन
आयोजित वेबिनार में
वैज्ञानिकों ने रखे विचार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में विभिन्न वेबिनार आयोजित किए गए। इस दौरान पहला वेबिनार धान की सीधी बिजाई विषय को लेकर किया गया। इस वेबिनार में सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने बताया कि यह विधि बहुत ही कारगर साबित हो रही है और प्रदेश सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत को भी सार्थक सिद्ध कर रही है। इससे न केवल पानी की बचत होती है बल्कि खर्च भी कहूँ करके की जाने वाली बिजाई से कम होता है। इससे फसल के उत्पादन या तो परम्परागत विधि के बराबर है या फिर अधिक होता है। इस वेबिनार के दौरान भारतीय कृषि जवाब किए।



सिफारिश पर काम करने की जरूरत
वेबिनार के दौरान धान की सीधी बिजाई को लेकर किसानों ने अपने अनुभव भी वैज्ञानिकों के साथ साझा किए। इस दौरान असंध से कृषि विकास अधिकारी श्याम सिंह ने बताया कि धान की बिजाई को लेकर विश्वविद्यालय की सिफारिश हर साल 25 जून तक के लिए की गई है जबकि इसे मई के अंतिम सप्ताह से जून के प्रथम सप्ताह तक किए जाने के बारे में और अधिक शोध करने की जरूरत है। क्योंकि इस समय पानी व मजदूरों की समस्या नहीं होती।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	15.10.2020	--	--

= समस्त हरियाणा =

= बृहस्पतिवार, 15 अक्टूबर, 2020 =

अंगूठे से दूध निकालने का तरीका गलत : डॉ. कपकड़

स्वच्छता व दूध दोहने के तरीके का खास ध्यान
रखें पशुपालक

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के कार्यक्रम के दूसरे वेबिनार का विषय दूधारू पशुओं में थनैला रोग व उसकी रोकथाम रखा गया जिसमें पशुपालकों को दूधारू पशुओं में होने वाले थनैला रोग के कारणों, उपचार व निदान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला के इंचार्ज डॉ. नरेश ककड़ ने कहा कि पशुपालक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगूठे की सहायता से दूध निकालते हैं जो कि



गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुट्ठी से एंटीबायटिक का अंधाधूंध प्रयोग करने लग जाते हैं जिससे पशु की जीवाणु रोधक क्षमता अलावा दूध दोहने के बाद पशु के थनों को जीवाणु रोधक से साफ करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

**पशुपालक अपने स्तर पर भी
कर सकते हैं रोग की जांच**
डॉ. राजेश छाबड़ा ने बताया कि किसान बिना उचित जांच के ही उपचार के लिए पशु को

जांच कर सकते हैं। वेबिनार में पशुपालकों ने वैज्ञानिकों से थनैला रोग के लक्षणों व उसके समाधान को लेकर प्रश्नोत्तर भी किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	15.10.2020	--	--

एक-दूसरे की होड़ में अंधाधुंध खाद व बीज का प्रयोग न करें किसान : डॉ. छाबड़ा

किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए सुझाव

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्षुजन कृषि मेले के दूसरे दिन यह फसलों की पैदावार बढ़ाने को लेकर आयोजित बैठकार में वैज्ञानिकों ने किसानों को यही फसलों की पैदावार बढ़ाने के तीर तरीकों के बारे में विद्यार्थीक जानकारी दी। आनुवांशिकी



प्रदेश से किसान आशोष राय ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश अनुसार चने की एच.सी.-5 किस्म की बिजाई की थी। इससे वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए औसत उत्पादन 23 से 25 हिंटल प्रति हेक्टेयर की तुलना में उसे डेंगुण गुण उत्पादन अधिक मिला है। इसके लिए उसे उत्तर अधिकारी ने भी सम्मानित भी किया गया। इसी प्रकार गांव दरियापूर (भिकानी) के किसान रामनिवास ने बताया कि वह पिल्ले पांच-छह मालों से टपका विधि से रेतीली जमीन में भर्ता

इन वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

बैठकार के दौरान डॉ. विक्रम ने गेहूं व जी, डॉ. रमेशवरार ने तिहानी फसलों, डॉ. शौएस. फोगट ने चारे वाली फसलों, डॉ. ओमेंद्र सांगावान ने कपास, डॉ. अजीत गरी ने पीथ रोग नियंत्रण, डॉ. वी.एस. भोंगे ने बीज उत्पादन में सावधानियों, डॉ. एम.सी. कबीरज ने मक्का की काशी, डॉ. पवन कुमार ने औषधीय व सुर्गादात फसलों की खेती व डॉ. एम.एल. विज्ञह ने भौमिक पूर्वामान का फसलों में महत्व सहित कहे। वैज्ञानिकों ने अपने विचार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.10.2020	--	--

दूधारू पशुओं में थनैला रोग से बचाव के दिए टिप्प

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन के कार्यक्रम के दूसरे वेबिनार का विषय दूधारू पशुओं में थनैला रोग व उसकी रोकथाम रखा गया जिसमें पशुपालकों को दूधारू पशुओं में होने वाले थनैला रोग के कारणों, उपचार व निदान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला के इंचार्ज डॉ. नरेश ककड़ ने कहा कि पशुपालक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखकर व अपने दूध दोहने के तरीके में बदलाव कर इस रोग पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई पशुपालक अंगुठे की सहायता से दूध निकालते हैं जो कि गलत तरीका है, दूध को केवल बंद मुट्ठी से निकालने की आदत डालनी चाहिए। इसके अलावा दूध दोहने के बाद पशु के थनों को जीवाणु रोधक से साफ करना चाहिए। पशु के बैठने की जगह पर भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यूण पंजाबी	15.10.2020	--	--

’ਵਰਸਿਟੀ ਮੇਲੇ ਦੌਰਾਨ ਡਾਕਟਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਪੜ੍ਹੀ ਪਾਲਕਾਂ ਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਵੈਖਿਨਾਰ

► ਸੁਧ ਦਾ ਲਈ ਅੰਗੂਠੇ ਦੀ ਬਜ਼ਾਏ
ਮੁੱਠੀ ਵਿਚ ਦਬਾਉਣ ਦੀ ਕਿੱਥੀ ਲੱਗੀ

ਪੰਜਾਬ ਪੰਜਾਬ

ਵਰਸਿਟੀ ਮੌਜੂ ਵਿੱਚ ਲਾਲਾ ਜਾਨਪਦ
ਗਾਈ ਹੋ ਰਹਿਗੇ ਕਿ ਵਰਸਿਟੀ ਕੇਂਦਰੀ
ਪ੍ਰੈਜ਼ੈਂਟਾਲ ਦੇ ਪਾਪਾਨ ਛਾਡੇ ਸ਼ਬਦ ਬੈਂਕਾਂ
ਦੀ ਅਲਾਵਾਈ ਵਿੱਚ ਭਾਵਟਾਂ ਦੀ
ਟੀਮ ਨੇ ਪਸੂ ਪਲਾਹੀ ਕਿਵਾਨੀ ਦੇ
ਪੜ੍ਹਾਂਗਾਂ ਦੀ ਯਾਤਰੀ ਸਬੰਧੀ ਵੇਖਿਤਰ
ਦੇ ਉਤਰ ਦਿੱਤੇ। ਭਾਵਟਾਂ ਨੇ ਦੁਆਰੂ
ਪੜ੍ਹਾਂਗਾਂ ਨੂੰ ਰਾਤੇ ਤੇ ਬਣਾਂ ਨੂੰ ਬੇਲੋਂ ਰੋਤਾ
ਤੇ ਬਚਾਉਣ ਸਥਾਨੀ ਜ਼ਰੂ ਦਿੰਦੇ ਹਨ
ਪਸੂ ਬਾਂਦੀ ਦੀ ਸ਼ਾਹੀ ਤੇ ਸੇਜ ਦਿੰਡਾ।
ਭਾਵਟਾਂ ਦੀ ਟੀਮ ਨੇ ਦੁਆਰੂ ਪਸੂ
ਬਣਾਂ ਨੇ ਅਭਿਨੰਨ ਦੀ ਜ਼ਾਣੇ ਮੌਜੂ ਵਿੱਚ



ਦੇਖਿਨਾਰ ਦੇਣਾਂ ਕਿਸਾਠੀ ਦੇ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦੇ ਕੋਈ ਮਾਰਿਆ-ਅਟ੍ਰੈਕਟਿਵ

ਦਬਾਊਣ ਦੀ ਆਦਿ
ਚਿਤ੍ਰਗ ਟੀਮ ਨੇ ਢੂ
ਦੁਪਾਰੂ ਪੜ੍ਹੇ ਦੇ ਬਟ
ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸ਼ਕਾਈ
ਛਾਕਟਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ।

‘ਤੇ ਕੈਲੀਡਨਿਆ’ ਮੌਸਟਾਈਟਸ ਵਿਚ
ਨਲ ਅਪਣੇ ਭਾਰ ਵਿੱਚ ਹੀ ਥੋੜ੍ਹਾ
ਰੋਗ ਦੀ ਜਾਚ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ
ਥਿਆਰੀ ਰੱਖ ਭਾਵਟਾਂ ਦੀ ਸਮਝ
ਨੈਟ ਲਈ ਕਿਹਾ।

ਹਾਡੀ ਦੀਆਂ ਛਸਲਾਂ ਸਥਾਪੀ
ਇੰਤੇ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.10.2020	02	03-06

बारानी क्षेत्रों में खेती फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए बताई सत्य क्रियाएं

हिसार, 15 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सत्य विज्ञान विभाग के बारानी खेती अनुभाग के वैज्ञानिकों ने गांव बालावास के किसानों के साथ एक कृषि संबंधी गोष्ठी आयोजित की।

विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय जलवायु समुद्धान कृषि में नवप्रवर्तन परियोजना के तहत किया गया। उन्होंने बताया कि इस दैरान किसानों को राया व चने की पैदावार बढ़ाने के लिए उन्नत सत्य क्रियाएं जैसे समय पर बिजाई, बीज उपचार, समुचित खाद प्रबंधन, खेत में उचित पौधों की संख्या, पहिये वाले कसोले



किसानों को सत्य क्रियाओं की जानकारी देते वैज्ञानिक।

से निराई-गुडाई, उचित पौध संरक्षण आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। ममता फौगाट ने भी किसानों को जानकारी दी। इस दैरान लगभग 35 कार्यक्रम में इंजीनियर कुमार व डॉ.

ममता फौगाट ने भी किसानों को जानकारी दी। इस दैरान लगभग 35 किसान शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.10.2020	--	--

बारानी क्षेत्रों में रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने
के लिए बताई सख्त क्रियाएं



किसानों को सख्त क्रियाओं की जानकारी देते वैज्ञानिक।

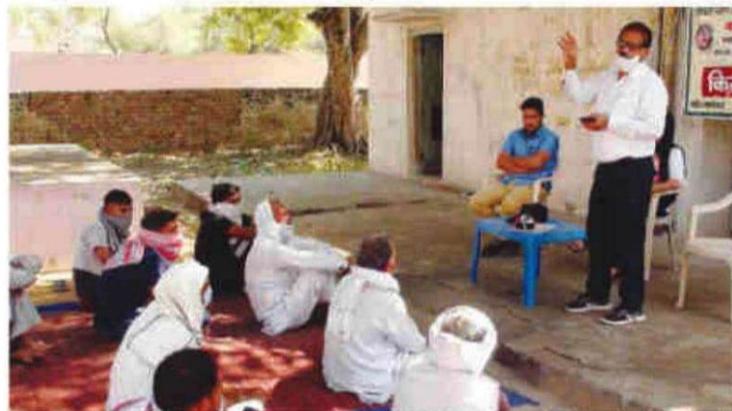
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सख्त विज्ञान विभाग के बारानी खेती अनुभाग के वैज्ञानिकों ने गंव बालावास के किसानों के साथ एक कृषि संबंधी गोष्ठी आयोजित की। विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय जलवायु समुत्थान कृषि में नवप्रवर्तन परियोजना के तहत किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान किसानों को राया व चने की पैदावार बढ़ाने के लिए उन्नत सख्त क्रियाएं जैसे समय पर बिजाई, बीज उपचार, समुचित खाद प्रबंधन, खेत में उचित पौधों की संख्या, पहिए वाले कसोले से निराई-गुड़ाई, उचित पौध सरंक्षण आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही किसानों को बदलते मौसम के अनुरूप सभी सख्त क्रियाओं को अपनाने पर बल दिया ताकि किसान फसलों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ समुचित लाभ भी हासिल कर सकें। कार्यक्रम में इंजीनियर कुमार व डॉ. ममता फोगाट ने भी किसानों को जानकारी दी। इस दौरान लगभग 35 किसान शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.10.2020	--	--

बारानी क्षेत्रों में रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए बताई सख्त क्रियाएं



हिसार। किसानों को सख्त क्रियाओं की जानकारी देते वैज्ञानिक।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सख्त विज्ञान विभाग के बारानी खेती अनुभाग के वैज्ञानिकों ने गांव बालावास के किसानों के साथ एक कृषि संबंधी गोष्ठी आयोजित की। विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय जलवायु समृद्धान कृषि में नवप्रवर्तन परियोजना के तहत किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान किसानों को राया व चने की पैदावार बढ़ाने के लिए उन्नत सख्त क्रियाएं जैसे समय पर बिजाई, बीज उपचार, समुचित खाद प्रबंधन, खेत में उचित पौधों की संख्या, पहिए वाले कसोले से निराई-गुड़ई, उचित पौध संरक्षण आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही किसानों को बदलते मौसम के अनुरूप सभी सख्त क्रियाओं को अपनाने पर बल दिया ताकि किसान फसलों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ समुचित लाभ भी हासिल कर सकें। कार्यक्रम में इंजीनियर कुमार व डॉ. ममता फोगाट ने भी किसानों को जानकारी दी। इस दौरान लगभग 35 किसान शामिल हुए।